कोटद्वार, बुधवार
9 जुलाई 2025
वर्ष: 47
अंक: 71 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

फर्जी ईमेल से जिला जज और बिल्डर के खिलाफ शिकायत, मुकदमा दर्ज

देहरादून। जिला जज और एक बिल्डर का नाम शामिल करते हुए जिला जज कार्यालय में शिकायत ईमेल कर दी गई। शिकायत करने वाले का नाम और पता फर्जीवाड़े से दर्ज किया गया। जिस नाम से शिकायत की गई उस व्यक्ति को मामले का पता लगा। तब मामले में रायपुर थाने में केस दर्ज कराया गया है। अम्बर प्रकाश की पत्नी मंसी सिंह निवासी सहस्त्रधारा रोड ने साइबर अपराध थाना देहरादून में शिकायत दी। बताया कि बीते 28 जून को उनके पति अम्बर प्रकाश को जिला जज, देहरादून के कार्यालय से फोन आया। फोन पर बताया गया कि उनके नाम से 18 जून को सुबह एक ईमेल से जिला जज और बिल्डर अंकरोदय कुमार के खिलाफ शिकायत भेजी गई थी। मंसी सिंह ने स्पष्ट किया कि उनके पति ने ऐसा कोई ईमेल नहीं भेजा और यह उनके नाम और मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर किया गया फर्जीवाड़ा है। इस जानकारी के बाद अम्बर प्रकाश उसी दिन नोएडा से देहरादून पहुंचे और 29 जून को संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण ईमेल भेजकर सूचित किया कि उनके नाम पर यह धोखाधड़ी की गई है। मंसी सिंह की शिकायत साइबर थाने से दर्ज करने के लिए रायपुर थाना भेजी गई। रायपुर थानाध्यक्ष गिरीश नेगी ने बताया कि शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ फर्जी ईमेल भेजने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

सेना के मेजर के सरकारी क्वार्टर में लाखों की चोरी

देहरादून। सेना के मेजर के कालीदास रोड इलाके में स्थित सरकारी क्वार्टर में लाखों रुपये की चोरी हो गई। चोरों ने बंद घर को निशाना बनाया। मामले में मेजर की पत्नी की शिकायत पर कैंट थाना पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मेजर विशाल गिरी निवासी कालिदास रोड, निकट दून बैरियर की पत्नी नीति भाटिया ने कैंट थाना पुलिस को शिकायत दी। बताया कि बीते 30 जून से उनका आवास बंद था। छह जुलाई को नौकरानी ने फोन करके बताया कि सामने के गेट का ताला गायब है। तब शाम को नीति दिल्ली स्थिति अपने मायके से दून वापस लौटी।इस दौरान आवास पर पहुंचकर देखा तो ताला गायब था। क्वार्टर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर एक लाख रुपये नगदी, सोने की हीरा जड़ित दो अंगूठी, चार सोने की अन्य अंगूठी, सोने की दो चूड़ियां, सोने का हार, सोने का बिस्कुट, मंगसूत्र समेत अन्य गहने चुराकर ले गए। शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। इंस्पेक्टर कैंट केसी भट्ट ने शिकायत पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। सिविल आबादी के नजदीक सेना के सुरक्षित एरिया में चोरी की वारदात से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

पुरोला में पेड़ गिरने से मकान क्षतिग्रस्त

उत्तरकाशी। पुरोला नगर पालिका के अंतर्गत वार्ड तीन में एक आवासीय मकान के ऊपर सोमवार देर सांय अचानक एक खड़े विशाल चीड़ का पेड़ गिरने से उनके मकान को क्षति पहुंची है। गनीमत रही कि जिस वक्त यह घटना हुई, उस समय घर के आसपास कोई मौजूद नहीं था। वहीं पड़ोस में ही सब्जियों की निराई करती एक महिला बाल बाल बची। घटना के बाद मंगलवार को पीड़ित यमशेर सिंह उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने मुआवजे की मांग करते हुए अपने घर के ऊपर खड़े बाकी चीड़ के पेड़ों को काटे जाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि चार साल पहले भी उनके घर पर चीड़ का पेड़ गिरने से उनकी पत्नी और पुत्र की दुखद मृत्यु हो गई थी।

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग में विवाद

हरिद्वार। उत्तराखंड आयुर्वेद विवि ऋषिकुल परिसर के प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग में अध्ययनरत प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के पीजी शोधार्थियों की ओर से तृतीय वर्ष के शोधार्थियों और विभागाध्यक्ष के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद परिसर प्रशासन में हलचल मच गई है। विवि प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विभागीय शिक्षकों से स्पष्ट आख्या पत्र मांगा है।

भीषण बारिश के बीच डोली उत्तराखंड की धरती

भूकंप की तीव्रता 3.2

उत्तरकाशी। भीषण बारिश और भूस्खलन के बीच उत्तराखंड में भूकंप आने की खबर सामने आई है। मंगलवार दोपहर एक बजे के करीब पहाड़ी राज्य उत्तराखंड की धरती डोल उठी।

भूकंप वैज्ञानिकों ने बताया कि भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी के पास था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.2 बताई गई है।

आपदा कंट्रोल रूम ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि भूकंप उत्तरकाशी में जमीन से करीब पांच किलोमीटर की गहराई में था। इसकी तीव्रता 3.2 मापी गई है। भूकंप आने के दौरान इसके झटके कुछ देर तक महसूस किए गए थे। इस दौरान घरों में मौजूद लोग तुरंत बाहर आ गए। इसकी जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की तरफ से आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की गई है। खबर को लिखे जाने तक किसी भी तरह के जान–माल के नुकसान होने की खबर सामने नहीं आई है।

उत्तराखंड इन दिनों भीषण बारिश, भूस्खलन और बादल फटने जैसी कुदरती आपदाओं की मार झेल रहा है। ताजा जानकारी में चीन सीमा से लगे लीलम में बारिश थमने के बाद भूस्खलन से पहाड़ी का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिरने की खबर सामने आई है। इस तरह की घटनाएं होने के चलते रास्ते बंद हो जाते हैं और आपदा ग्रसित इलाके में राहत पहुंचाना मुश्किल हो जाता है।

बादल फटने के कारण पिछले एक सप्ताह से यमुनोत्री यात्रा बंद रहने के बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को उत्तरकाशी जिले के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करके आपदा की स्थिति का जायजा लिया था।

पहाडी से गिरकर झारखंड के युवक की मौत

चमोली : चमोली जिले के हेलंग में पहाड़ी से कूदने वाले एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटनाक्रम का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। वह मूलरूप से झारखंड का रहने वाला था और साथियों के साथ मजदूरी करने बदरीनाथ आया था। पुलिस और एसडीआरएफ टीम उसे पहाड़ी से रेस्क्यू करने गई थी, लेकिन वह कूद गया था। कोतवाली ज्योतिर्मठ के दरोगा देवेन्द्र पंत के अनुसार, यह घटना पांच जुलाई की है। रात करीब सवा आठ बजे पुलिस को सूचना मिली कि ज्योतिर्मठ नगर से 10 किमी. आगे हेलंग में पहाडी में एक व्यक्ति चढ़ा हुआ है और उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं है। पुलिस एवं एसडीआरएफ मौके पर पहुंची। टीम ने उसे नीचे निकालने का प्रयास किया तो वह और ऊपर चला गया और फिर पहाड़ी पर एक पेड़ में चढ़ गया, जहां पांव फिसलने से वह लगभग 30-35 मीटर नीचे गिर गया। उपचार के लिए उसे सीएचसी ज्योतिर्मठ लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बलधन टुडू (27 साल) पुत्र सोम टुडू निवासी देवधर झारखंड के रूप में हुई है। बलधन के साथियों ने पुलिस को बताया कि वह इसी माह बदरीनाथ में मजदूरी करने आया था, लेकिन वहां उसने कुछ अजीब सी हरकतें करनी शुरू कर दीं, जिसके बाद उसके साथी उसे 5 जुलाई को वापस झारखंड ले जाने लगे।

भारत के संवैधानिक ढांचे पर आंच आई तो बंगाल चुप नहीं बैठेगा: ममता बनर्जी

सीएम ने एनआरसी के बहाने भाजपा पर किया हमला

कोलकाता , मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने असम से आए एक बंगाली व कूचबिहार के दिनहाटा निवासी उत्तम कुमार ब्रजबासी को असम द्वारा एनआरसी नोटिस जारी किए जाने पर बंगाल की सीएम का गुस्सा फूटा। सीएम ममता बनर्जी ने उक्त मुद्दे पर नाराजगी व्यक्त की है। सीएम ममता बनर्जी ने आज सुबह एक एक्स हैंडल पोस्ट में उन्होंने इस मुद्दे का जिक्र करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि यह नोटिस दरअसल बंगाल के लोगों की पहचान मिटाने की कोशिश है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर भारत के संवैधानिक ढांचे को नष्ट किया गया तो बंगाल चुप नहीं बैठेगा। मुख्यमंत्री ने विपक्षी राजनीतिक दलों से इसके खिलाफ एकजुट होने का आह्वान भी किया।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह लोकतंत्र पर सुनियोजित हमला है। वहीं, क्षेत्र के विधायक उदयन गुहा ने भारतीय जनता पार्टी पर बंगाली विरोधी होने के कारण लगाया। उन्होंने भगवा पार्टी पर इस तरह की घटनाएं कराने का भी आरोप लगाया। हालांकि, बीजेपी ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया। एनआरसी का नोटिस पाने वाले उत्तम कुमार ब्रजबासी बांग्लादेश की सीमा से सटे कूचबिहार जिले के दिनहाटा के निवासी हैं। उनका परिवार लंबे समय से दिनहाटा में रहता है। उनका दावा है कि 50 साल की उम्र में वे कभी कूचबिहार से बाहर नहीं गए। हालांकि, असम सरकार ने उन्हें अवैध घुसपैठ के लिए नोटिस भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि अगर वह इस महीने की 15 जुलाई तक उचित दस्तावेज पेश करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें घुसपैठिया माना जाएगा। स्वाभाविक रूप से इस नोटिस के मिलने के बाद से उत्तम की नींदें उड़ गई हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज पूरे मामले पर सोशल मीडिया पर अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने अपने एक्स पर एक पोस्ट लिखा, "मैं यह जानकर स्तब्ध और बेहद परेशान हूं कि असम के विदेशी न्यायाधिकरण ने कूचबिहार के दिनहाटा के राजबंशी समुदाय के निवासी उत्तम कुमार ब्रजबासी को एनआरसी नोटिस भेजा है। वे 50 साल से अधिक समय से बंगाल के निवासी हैं। वैध पहचान पत्र होने के बावजूद उन्हें 'विदेशी' या 'अवैध घुसपैठिया' बताने की कोशिश की जा रही है। यह हमारे लोकतंत्र पर एक सुनियोजित हमला है।" मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में आगे कहा, "असम की भाजपा सरकार इस साजिश के जरिए बंगाल के हाशिए पर पड़े समुदायों को निशाना बना रही है।

कांवड़ यात्रा के दौरान अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : धामी

मुख्यमंत्री ने ली कांवड़ मेला-2025 की तैयारियों को लेकर अफसरों की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी कांवड़ मेला-2025 की तैयारियों को लेकर मंगलवार को प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विशाल धार्मिक आयोजन में किसी भी प्रकार की तोड़फोड़, उपद्रव या अन्य अवांछनीय घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा इंतजाम किए जाएं। शिविर संचालकों, कार्यरत व्यक्तियों, वॉलंटियर और होटल/धर्मशालाओं में ठहरने वाले व्यक्तियों का पूर्ण सत्यापन कराया जाए। मुख्यमंत्री ने अंतर्राज्यीय समन्वय बढ़ाकर सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान करने, सोशल मीडिया पर निगरानी रखते हुए अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने और संबंधित पोस्टों का तत्काल खंडन करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रमुख स्थलों पर एक्सरे सिस्टम, अग्निशमन यंत्र, फायर टेंडर एवं कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य व पेय पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पुख्ता इंतजाम करने को कहा। उन्होंने भीड़ प्रबंधन में वॉलंटियर्स की मदद लेने, सीसीटीवी व ड्रोन से निरंतर निगरानी और अभिसूचना तंत्र को सक्रिय रखने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने बेहतर यातायात व्यवस्था अलग से प्लान बनाकर उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा, ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। उन्होंने आतंकवादी खतरों को मद्देनजर रखते हुए एटीएस और विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार के घाटों, नीलकंठ महादेव मंदिर अन्य प्रमुख स्थलों पर एम्बुलेंस व बैकअप की व्यवस्था करने, सादे वस्त्रों में महिला व पुरुष सुरक्षा कर्मियों की पर्याप्त तैनाती करने और आपदा राहत उपकरणों से युक्त गोताखोरों व जल पुलिस को अलर्ट मोड पर रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों पर तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों, डीजे व लाउड स्पीकर के उपयोग को नियमबद्ध किया जाए। दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधारात्मक कार्य किए जाएं। बैठक में गृह सचिव शैलेश बगोली, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन, गढ़वाल व कुमाऊं आयुक्त सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध रूप से तुन की लकड़ी ले जा रहे तीन गिरफ्तार, मिनी ट्रक जब्त

अल्मोड़ा। वन संपदा की तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान के तहत द्वाराहाट थाना पुलिस ने सोमवार रात को बड़ी कार्रवाई करते हुए तुन प्रजाति की लकड़ी का अवैध परिवहन कर रहे तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मिनी ट्रक से कुल 101 नग लकड़ी बरामद की है, जिसे बिना किसी वैध अनुमति के ढोया जा रहा था। ट्रक को मौके पर ही सीज कर दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा के निर्देश पर जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में खनिज और वन संपदा के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में द्वाराहाट पुलिस टीम ने सोमवार रात में गश्त और चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान चौखुटिया रोड से एक सफेद रंग का मिनी ट्रक संख्या यूके02 सीए0118 आता दिखाई दिया, जिसे रोककर जांच की गई। जांच में ट्रक के पिछले हिस्से में चिरी हुई लकड़ी भरी हुई पाई गई। ट्रक चालक और उसके साथ बैठे व्यक्तियों से लकड़ी के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए,

राफेल पर पाकिस्तान का सफेद झूठ

निर्माता कंपनी ने खोल दिया बड़ा राज

बताया ऑपरेशन सिंदूर में क्रैश का असली कारण

नई दिल्ली । राफेल लड़ाकू विमान को मार गिराने के पाकिस्तान के दावों की हवा निकल गई है। विमान बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी दसॉ एविएशन और भारत के रक्षा सचिव, दोनों ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। दोनों बयानों से यह साफ हो गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत का कोई भी राफेल विमान पाकिस्तानी कार्रवाई में तबाह नहीं हुआ था। फ्रांस की एक वेबसाइट 'एवियन डी दिए बयान में राफेल निर्माता कंपनी दसॉ एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने स्पष्ट किया कि एक राफेल जेट तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, उसे मार नहीं गिराया गया था। उन्होंने कहा, एक राफेल जेट में अधिक उंचाई पर तकनीकी खामी आ गई थी, जिसके चलते वह क्रैश हुआ। संघर्ष के दौरान कोई भी जेट नहीं गिराया गया।वहीं, भारत के रक्षा सचिव आरके सिंह ने भी एक टीवी इंटरव्यू में पाकिस्तानी दावों को झूठा करार दिया। उन्होंने सीएनबीसी टीवी18 से बातचीत में कहा, यह कहना गलत है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के राफेल विमान गिराए गए। मैं आपको भरोसा दिला सकता हूं कि यह सच नहीं है। इसके विपरीत, पाकिस्तान को जान–माल का कई गुना ज्यादा नुकसान हुआ है। रक्षा सचिव ने पुष्टि की कि भारतीय कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। गौरतलब है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूरझ्र शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। रक्षा सचिव आरके सिंह ने यह भी साफ किया कि इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों को पूरी छूट दी गई थी और उन पर कोई राजनीतिक दबाव नहीं था।

बागेश्वर धाम आए श्रद्धालुओं के साथ हादसा

छतरपुर में ढाबे की छत गिरने से महिला की मौत, 10 घायल

छतरपुर । मध्य प्रदेश के छतरपुर में मंगलवार को बागेश्वर धाम आए श्रद्धालुओं के साथ हादसा हो गया। धाम के पास स्थित जिस ढाबे पर श्रद्धालु रुके हुए थे, उसकी छत गिर गई। जिससे एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई। जबकि 10 घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि सुबह तड़के करीब 3:30 पर तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने से यह हादसा हुआ। सभी घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि बागेश्वर धाम के पास में स्थित एक ढाबे पर श्रद्धालु रुके हुए थे। इसी दौरान सुबह ढाबे की छत गिर गई। जिससे एक महिला श्रद्धालु की जान चली गई। जबकि 10 अन्य घायल हो गए। हादसे में जिस महिला श्रद्धालु की मौत हुई है, वह उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी। फिलहाल महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि धाम में आने वाले अधिकतर श्रद्धालु यहां रुकते थे। सोमवार को भी कुछ श्रद्धालु यहां आकर रुके थे और मंगवलवार सुबह ढाबे की छत गिर गई। आपको बता दें कि इससे पहले भी 3 जुलाई को धाम में शेड गिरने से एक श्रद्धालू की मौत हुई थी। यह हादसा उस वक्त हुआ था, जब आरती हो रही थी।

यमुनोत्री हाईवे पर आज आवाजाही सुचारु होने की उम्मीद

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी के समीप बैली ब्रिज का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है। विभागीय अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि मौसम साफ रहता है तो बुधवार शाम तक ओजरी में बैली ब्रिज से आवाजाही शुरू हो सकती है। इसके चलते यमुनोत्री धाम की यात्रा पिछले दस दिनों से बाधित है। यात्रा बाधित होने से जानकीचट्टी, रानाचट्टी, स्यानचट्टी आदि पड़ावों पर भी सन्नाटा पसरा है। यमुनोत्री क्षेत्र में बीती 28 जून की रात को हुई अतिवृष्टि के कारण सिलाई बैंड और ओजरी वाले हिस्से में जगह–जगह सड़क वॉश आउट हो गई थी। मंगलवार को यमुनोत्री हाईवे ओजरी के पास से 10वें दिन भी वाहनों की आवाजाही के लिए नही खुल पाया है। हाईवे बंद होने से यमनोत्री क्षेत्र की ओर 28 जून से करीब 70 छोटे–बड़े वाहन जगह–जगह फंसे हुए हैं। इनमें स्थानीय लोगों के वाहनों के साथ–साथ तीर्थ यात्रियों के वाहन भी शामिल हैं। हालांकि, तीर्थ यात्रियों को पुलिस प्रशासन ने पैदल मार्ग से पालिगाड तक पहुंचा दिया था। वहीं, यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी के पास बैंड हाईवे को खोलने के लिए वैली ब्रिज को जोड़ने का काम युद्धस्तर पर जारी है। एनएच के अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने बताया कि बैली ब्रिज बुधवार शाम तक वाहनों की आवाजाही लायक तैयार करने की उम्मीद है।

युद्धस्तर पर जारी है राज्य की 124 अवरुद्ध सड़कों को खोलने का काम: महाराज

– अभी तक यातायात हेतु 30 सड़कें खोली गई

देहरादून। राज्य में मानसून सीजन 2025–26 में बरसात एवं भूस्खलन के कारण 154 सड़कें अवरुद्ध हैं इनमें से 08 जुलाई तक 30 सड़कें यातायात हेतु खोली जा चुकी हैं जबकि अन्य 124 सड़कों को खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि राज्य में मानसून सीजन में अत्यधिक बरसात एवं भूस्खलन के कारण प्रदेश के विभिन्न जनपदों में लोनिवि की 67 सड़कें बंद थी जिनमें से 12 को खोल दिया गया है और 55 सड़कों को खोलने का काम चल रहा है। इसी प्रकार राज्य में एनएच की 02, बीआरओ की 01, एनएचआईडीसीएल की 01 सड़क बंद है। जबकि पीएमजीएसवाई की 83 सड़कों में से 16 सड़कों को खोल दिया गया है। प्रदेश की अवरुद्ध 154 सड़कों में से 30 सड़कों को यातायात हेतु खोल दिया गया है। जबकि अन्य 124 सड़कों को खोलने के लिए 644 मशीनें युद्धस्तर पर कार्य कर रही हैं।

लोनिवि मंत्री महाराज ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मानसून के दौरान सभी अपने–अपने फोन एवं मोबाइल अवश्य उठायें ताकि मार्ग अवरुद्ध होने की सटीक जानकारी लोगों को समय से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि यात्रियों की परेशानियों को देखते हुए सड़कों को खोलने में बिल्कुल भी कोताही नहीं होनी चाहिए। मानसून के दौरान यदि कोई सड़क बंद होती है तो उसकी पूर्व सूचना यात्रियों को पहले ही उनके पूर्ववर्ती स्टेशन पर मिल जानी चाहिए और उनसे वैकल्पिक मार्गों की भी जानकारी साझा करनी चाहिए ताकि वह अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच सकें।

भारत बंद का ऐलान, 25 करोड़ कर्मचारी आज हड़ताल पर

बैंक–डाकघर में काम रहेगा बंद

नई दिल्ली , जुलाई को देशभर में ट्रेड यूनियनों ने भारत बंद का आह्वान किया है। बुधवार को देश भर में 25 करोड़ से ज्यादा श्रमिकों के देशव्यापी हड़ताल या भारत बंद में भाग लेने की उम्मीद है। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के गठबंधन द्वारा बुलाई गई हड़ताल का उद्देश्य केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और कॉर्पोरेट समर्थक नीतियों का विरोध करना है। हड़ताल से बैंकिंग, बीमा, डाक सेवाओं, कोयला खनन, परिवहन और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों सहित प्रमुख क्षेत्रों के बाधित होने की संभावना है। हिंद मजदूर सभा के हरभजन सिंह सिद्धू ने कहा, बैंकिंग, डाक, कोयला खनन, कारखाने और राज्य परिवहन सेवाएं प्रभावित होंगी। देशभर में 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाए गए भारत बंद में भाग ले रहे हैं, जो मजदूर विरोधी और किसान विरोधी मानी जाने वाली सरकारी नीतियों का विरोध कर रहे हैं। हिंद मजदूर सभा के हरभजन सिंह सिद्धू ने कहा कि हड़ताल के चलते बैंकिंग, पोस्टल सर्विस, कोयला खनन, फैक्ट्रियां और स्टेट ट्रांसपोर्ट सर्विस पर असर पड़ेगा।

सरकार की नीतियों पर सवाल

भारत बंद कर रहे संगठनों ने पिछले साल श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को 17–सूत्रीय मांगों का एक चार्टर सौंपा था। इनका कहना है कि सरकार पिछले 10 वर्षों से वार्षिक श्रम सम्मेलन का आयोजन नहीं कर रही है। यह मजदूरों–कर्मचारियों के हितों के खिलाफ फैसले ले रही है। मजदूर संगठनों के मंच ने यह आरोप भी लगाया कि आर्थिक नीतियों के कारण बेरोजगारी बढ़ रही है, जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं, मजदूरी में गिरावट आ रही है और शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी नागरिक सुविधाओं में सामाजिक क्षेत्र के खर्च में कटौती हो रही है। ये सभी गरीबों, निम्न आय वर्ग के लोगों के साथ मध्यम वर्ग के लिए और अधिक असमानता और अभाव पैदा कर रहे हैं। यह भी आरोप लगाया कि सरकारी विभागों में युवाओं को नियमित नियुक्तियां देने के बजाय रिटायर्ड लोगों को ही काम पर रखने की नीति देश को आगे नहीं ले जाएगी। वजह, 65 फीसदी आबादी 35 साल से कम आयु की है। वहीं, बेरोजगारों की संख्या 20 से 25 साल के आयु वर्ग के लोगों में सबसे अधिक है। बयान में कहा गया है कि हम सरकार से बेरोजगारी पर ध्यान देने, स्वीकृत पदों पर भर्ती करने, अधिक नौकरियों के सृजन, मनरेगा श्रमिकों के कार्य दिवसों एवं मजदूरी में बढ़ोतरी के साथ शहरी क्षेत्रों के लिए भी समान कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए ईएलआई (रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना लागू करने में व्यस्त है।

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे को लेकर प्रारंभिक रिपोर्ट आई सामने

नई दिल्ली ,विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने एयर इंडिया 171 हादसे पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट नागर विमानन मंत्रालय और अन्य संबंधित अधिकारियों को सौंप दी है। एनडीटीवी की रिपोर्ट में कहा गया कि शीर्ष सरकारी अधिकारियों के बताया है कि प्रारंभिक आकलन और शुरुआती निष्कर्षों पर आधारित यह रिपोर्ट इस सप्ताह के अंत में सार्वजनिक होने की उम्मीद है। लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171, 12 जून को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुखद दुर्घटना में विमान में सवार 241 लोग और जमीन पर मौजूद 19 लोग मारे गए थे।

एआई171 के सीवीआर और एफडीआर दोनों बरामद कर लिए गए। इनमें से पहला 13 जून, 2025 को दुर्घटना स्थल पर इमारत की छत से और दूसरा 16 जून, 2025 को मलबे से मिला था। एयर इंडिया की फ्लाइट की दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के बाद, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने तुरंत जांच शुरू की और निर्धारित मानदंडों के अनुसार 13 जून 2025 को एक बहु–विषयक टीम का गठन किया गया था। अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार, गठित इस टीम का नेतृत्व एएआईबी के महानिदेशक करते हैं और इसमें एक विमानन देखभाल विशेषज्ञ, एक एटीसी अधिकारी और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो अमेरिका की मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइन की सरकारी जांच एजेंसी है और इस जांच के लिए आवश्यक है।

सम्पादकीय

सड़कों पर अराजकता

उत्तराखंड राज्य में सड़कों पर अराजकता और हंगामा मचाने के प्रकरण में एकाएक जिस प्रकार से तेजी देखने को मिली है वह काफी चिंताजनक है। खास तौर से यात्रा सीजन के समय इस प्रकार की हरकतों ने राह चलते लोगों को भी परेशान कर रखा है और अक्सर हाईवे तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर इस प्रकार की ओछी हरकतें नजर आने लगी है। हाल ही में कार में बैठकर अभद्र इशारे करने वाले भी वायरल हुए थे जिनके खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया था तो वही कारों के शीशे से बाहर निकाल कर आते जाते लोगों पर फब्तियां कसने और उन्हें गालियां देने के तो सैकड़ो वीडियो सोशल मीडिया से भरे पड़े हैं। सड़कों पर इस तरह की अराजकता पहले कभी नजर नहीं आती थी लेकिन सोशल मीडिया में रील का चलन जब से शुरू हुआ है तब से यह घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। पुलिस के पास सीमित साधन है और वीडियो वायरल होने के बाद ही पुलिस ऐसी घटनाओं पर कार्रवाई करती है। जरूरी यह है की शहर के तमाम क्षेत्र में मोबाइल पुलिस टीम तैनात करनी चाहिए जो मौके पर ही ऐसे लोगों को दंडित करें। थाना स्तर पर भी कुछ कर्मियों की ड्यूटी लगाकर ऐसी हरकतों से आमजन को राहत दिलाई जा सकती है। चिंता की बात यह है कि यदि ऐसे लोगों का विरोध किया जाता है तो हुडदंगी मारपीट और दबंगई पर उतर आते हैं जिसके हाल के उदाहरण पहाड़ी क्षेत्रों में भी नजर आए हैं जहां कुछ निहगों ने स्थानीय लोगों पर तलवारों से हमला कर दिया था। देवभूमि जैसी शांत जगह पर इस प्रकार की घटनाएं कतई स्वीकार नहीं की जानी चाहिए और राज्य पुलिस भी इस दिशा में बेहद गंभीर है। यही कारण है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली ऐसी घटनाओं को भी गंभीरता से लेकर कार्रवाई की जा रही है, लेकिन जब तक मुकदमे दर्ज करते हुए जेल नहीं भेजा जाएगा और महज थाने से चेतावनी देकर चालान की कार्रवाई की जाएगी तब तक ऐसी हरकतें रुकने वाली नहीं है। कारवाई अब नजर आनी चाहिए, अन्यथा हुडदंगी का यह रुकेगा इसकी उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

पर्यावरण के रचनात्मक प्रशासन के जरिए सतत् हरित बदलाव

भूपेंद्र यादव

पर्यावरण कुजनेट्स वक्र (एनवायरनमेंट कुजनेट्स कर्व) से हासिल पर्यावरण के प्रशासन से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान यह मानता है कि देश पहले विकास करते हैं और बाद में सफाई में जुटते हैं। यह अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि अब विकसित हो चुके उन देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जिन्होंने विकास की प्रक्रिया में संसाधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु देश और विदेश में प्राकृतिक पर्यावरण का दोहन किया। लेकिन ऐसी सुविधा भारत जैसे देशों को नसीब नहीं है, जिन्हें अपनी विशाल आबादी की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभी भी तेज गति से विकास करने की जरूरत है।

जब 2014 में एनडीए सत्ता में आई, तो चुनौती हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल सिद्धांतों – सुधार, प्रदर्शन और बदलाव – पर आधारित विकास एवं प्रगति को गति देने की थी। इन सिद्धांतों में जरूरत के हिसाब से पर्यावरण की सुरक्षा के सख्त उपायों से समझौता किए बिना 'व्यवसाय करने में आसानीइ की सुविधा प्रदान करते हुए तेजी गति से विकास करना शामिल था। आज 2025 में, हम न सिर्फ इस चुनौती से निपट पाने में सफल रहे हैं बल्कि हमने शासन का एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जिसे सारी दुनिया ने माना है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल साफ थाः इस प्रणाली को एक ऐसी प्रणाली में बदला जाए जो इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंद हो।वर्ष 2014 में 'स्वच्छ भारत मिशनइ की शुरुआत हमारी पहली बड़ी पहल थी। यह पहल स्वच्छता से आगे बढ़कर कचरे के प्रबंधन व पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करने तक जा पहुंची। इस मिशन ने पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को सामाजिक विकास के साथ जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाया। इस मिशन को सभी नागरिकों को शामिल करते हुए एक जन आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था और एक स्वच्छ एवं संसाधन के मामले में अपेक्षाकृत अधिक कुशल भारत की चाहत को आगे बढ़ाया गया था। विभिन्न शहरों में नागरिकों को पारदर्शी तरीके से वास्तविक समय में वायु की गुणवत्ता की निगरानी से जुड़ी सुविधा प्रदान करने के तुरंत बाद राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ किया गया।

वर्ष 2014 में शुरू की गई 'मेक इन इंडियाइ पहल में भी कड़े पर्यावरण अनुपालन मानकों को शामिल किया गया। इससे यह साबित हुआ कि हम इकोलॉजी की स्थिरता को बनाए रखते हुए मैन्यूफैक्चरिंग को अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर और तेज गति से बढ़ावा दे सकते हैं। ऊर्जा संबंधी दक्षता को बढ़ावा देने और ऊर्जा पर आधारित अधिक संख्या में उद्योगों को शामिल करने के उद्देश्य से 2015 में प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना का विस्तार किया गया। इससे ऊर्जा संबंधी दक्षता के लिए एक बाजार–आधारित तंत्र का निर्माण हुआ।

कचरे के कारगर प्रबंधन, संसाधन संबंधी दक्षता में बढ़ोतरी और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2016 से कचरे के प्रबंधन के सभी प्रमुख नियमों को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का बुनियादी सिद्धांत बाजार आधारित तंत्र और प्रदूषक द्वारा भुगतान के सिद्धांत पर आधारित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व से जुड़े ढांचे पर निर्भरता में निहित है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, ई–कचरा प्रबंधन नियम तथा टायर, बैटरी एवं प्रयुक्त तेल अपशिष्ट प्रबंधन नियम आदि इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर तैयार किए गए थे। इससे एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण हुआ, जिसके तहत विभिन्न सामग्रियों के लगभग 4,000 पुनर्चक्रणकर्ताओं को पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के रूप में अनौपचारिक क्षेत्र से हटाकर औपचारिक क्षेत्र में लाया गया है। इस कदम से वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में शुरू किए गए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) पोर्टल चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, कुल 61,055 उत्पादकों ने प्लास्टिक पैकेजिंग, ई–कचरा, बेकार टायर, बैटरी के कचरे और प्रयुक्त तेल के क्षेत्र में काम करने हेतु ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। अपशिष्ट नियम, 2022 के प्रकाशन और ईपीआर पोर्टल की शुरूआत के बाद, शोधित अपशिष्ट की मात्रा वित्तीय वर्ष 2024–25 में इन नियमों के

प्रकाशन से पहले 3.6 एमएमटी प्रति वर्ष की तुलना में बढ़कर 127.48 एमएमटी प्रति वर्ष हो गई है। यह सभी हितधारकों के सहयोग एवं समर्थन से संभव हुआ है। प्रतिबद्धता देरी में कमी लाने और एक व्यापक पर्यावरणीय मूल्यांकन करने के उद्देश्य से 2018 में 'परिवेशइ (प्रो–एक्टिव एंड रिस्पॉन्सिव फैसिलिटेशन बाई इंटरएक्टिव, वर्चुअस एंड एनवायरनमेंटल सिंगल–विंडो हब) नाम के एक ऑनलाइन आईटी टूल का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के 'डिजिटल इंडियाइ के विजन को साकार करते हुए, इस डिजिटल प्लेटफॉर्म ने व्यवसाय जगत और पर्यावरण नियामकों के बीच के संवाद में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। 'परिवेशइ ने पर्यावरण संबंधी मंजूरी की बोझिल एवं कागज–आधारित प्रक्रिया को एक सुव्यवस्थित एवं मजबूत डिजिटल अनुभव में बदल दिया है। इस दृष्टिकोण ने जहां पर्यावरण से जुड़े सख्त मूल्यांकन को बनाए रखा है, वहीं इस प्रक्रिया में लगने वाले समय में काफी कमी ला दी है और पारदर्शिता को बढ़ाया है।

वर्ष 2019 में शहरों पर केन्द्रित कार्य योजनाओं से लैस 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रमइ (एनसीएपी) के आधिकारिक शुभारंभ ने हमें नीति निर्माता एवं नियामक से बदलकर अमल करने वाला बना दिया है। एनसीएपी का लक्ष्य 2025–26 तक पीएम10 सांद्रता में 40 प्रतिशत की कमी लाना या आधार वर्ष 2017–18 की तुलना में 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के राष्ट्रीय मानक को हासिल करना है। एनसीएपी के साथ–साथ सीपीसीबी ने एनसीएपी के तहत आने वाले 131 शहरों में वायु की गुणवत्ता के रुझान की बारीकी से निगरानी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे वायु की गुणवत्ता निरंतर बेहतर हुई है। वर्ष 2021 में, गैर–प्राप्ति वाले शहरों में वायु गुणवत्ता के नियमन हेतु पोर्टल (पीआरएएनए) को कागज रहित परियोजना प्रबंधन के एकल बिंदु वाले वेब–आधारित उपकरण के रूप में शुरू किया गया। इससे स्वच्छ वायु से जुड़े उपायों के कार्यान्वयन की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति पर नजर रखना संभव हो सका है।1 जुलाई, 2022 से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध और 31 दिसंबर 2022 से 120 माइक्रोन से अधिक मोटाई वाली प्लास्टिक शीट पर प्रतिबंध ने जहां पर्यावरण के क्षेत्र में साहसिक नेतृत्व का परिचय दिया, वहीं उसी वर्ष शुरू किए गए 'जल जीवन मिशनइ ने पानी की सुलभता को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ जोड़ा।

एक व्यापक 'भारत शीतलन कार्य योजनाइ विकसित करके भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। इस कार्य योजना में विभिन्न क्षेत्रों की शीतलन संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाले एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण समावेश है तथा इसमें ऐसे कार्यों की सूची दी गई है, जो शीतलन से जुड़ी मांग को कम करने में सहायक हो सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में शीतलन की जरूरत होती है तथा यह आर्थिक विकास का एक अनिवार्य हिस्सा है। आवासीय एवं वाणिज्यिक भवन, कोल्ड–चेन, प्रशीतन, परिवहन और उद्योग जैसे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में इसकी जरूरत पड़ती है।

भारत ने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उत्सर्जन में चरणबद्ध तरीके से कमी लाने हेतु 27 सितंबर 2021 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में किगाली संशोधन का अनुमोदन किया। इसके तहत 2032 से आगे चार चरणों में चरणबद्ध तरीके से इस कार्य को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई गई है और 2032, 2037, 2042 एवं 2047 में उत्सर्जन में क्रमशः 10 प्रतिशत, 20 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 85 प्रतिशत की कटौती की जाएगी।वर्ष 2022 में पारित ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) अधिनियम ने भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना की स्थापना की। इससे उत्सर्जन में कमी से संबंधित बाजार आधारित तंत्र का निर्माण हुआ। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के तहत 2023 में हमारी कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना का संचालन देश के पहले व्यापक कार्बन बाजार के निर्माण की राह में एक अहम पड़ाव है। 1 नवंबर 2021 को ग्लासगो में सीओपी26 के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित 'मिशन लाइफइ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) मानव व्यवहार को प्रेरित करके टिकाऊ उपभोग पैटर्न को बढ़ावा देने वाला एक और अनुकरणीय कदम है।कार्बन क्रेडिट के अलावा, 'ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रमइ के रूप में एक सकारात्मक उपाय की शुरुआत 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में सीओपी28 के दौरान की गई ताकि पर्यावरण से संबंधित सकारात्मक कार्यों को पुरस्कृत किया जा सके और स्वैच्छिक पर्यावरणीय प्रबंधन को प्रेरित करने वाले प्रोत्साहनों का सृजन किया जा सके।

वर्ष 2024 में देश भर में भारत स्टेज 6 (बीएस–6) उत्सर्जन मानदंडों का पूर्ण कार्यान्वयन और टिकाऊपन हेतु हमारे हरित कर प्रणाली (ग्रीन टैक्सोनॉमी) के ढांचे का विकास ऐसे कदम हैं जो स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। ये कदम इस बात को भी दर्शाते हैं कि पर्यावरण से जुड़ा प्रशासन कैसे तकनीकी उन्नति और वित्तीय नवाचार को बढ़ावा दे सकता है।

पर्यावरण के अनुकूल और गुणवत्ता वाले टिकाऊ उत्पादों के उत्पादन व उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, मंत्रालय ने ई(पी) अधिनियम, 1986 के तहत इकोमार्क नियम, 2024 को अधिसूचित किया है। इसमें उत्पादन और उपभोग की टिकाऊ पद्धतियों को प्रोत्साहित करने हेतु उत्पादों की 80 उप–श्रेणियों के साथ 17 व्यापक श्रेणियां शामिल की गई हैं और सीपीसीबी को प्रमुख प्रशासनिक एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।वर्ष 2018 में 'परिवेशइ के शुभारंभ से लेकर 2024 में 'परिवेश 2.0इ तक का विकास, पर्यावरण संबंधी प्रबंधन एवं निगरानी की प्रक्रिया में निरंतर तकनीकी व गुणात्मक सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का दर्शाता है। 'परिवेश 2.0इ में जीआईएस से लैस एक आधुनिक निर्णय समर्थन प्रणाली और एक बेहतर पर्यावरणीय मूल्यांकन सुविधाओं का समावेश है। राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली में पर्यावरण संबंधी मंजूरी को समन्वित करने से व्यवसाय संबंधी अनुमोदन का एक 'वन–स्टॉपइ डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार हुआ। इससे व्यवसाय करने में आसानी से जुड़ी विश्व बैंक की रैंकिंग में भारत का स्थान की नाटकीय रूप से बेहतर हुआ। भारत इस रैंकिंग में 2014 में 142वें स्थान से उछलकर 2020 में 63वें स्थान पर पहुंच गया। वर्ष 2014–2020 के बीच, हमने 2,115 आवेदनों में से लगभग 2,053 परियोजनाओं को पर्यावरण संबंधी मंजूरी प्रदान की जिससे आवेदनों को निपटाने की दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

कचरे के उत्सर्जन में कमी लाने के लिए उत्कृष्ट पद्धतियों को अपनाने हेतु उद्योगों को प्रोत्साहित करने तथा अनुपालन संबंधी बोझ को कम करने के उद्देश्य से, उद्योगों को वर्गीकृत करने की एक नई पद्धति शुरू की गई है। इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण के तहत विभिन्न गतिविधियों को लाल, नारंगी, हरे, सफेद और नीले रंग की श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। नीले रंग की नई श्रेणी वाले उद्योग सीवेज शोधन संयंत्र, खाद बनाने वाली इकाई, बायोगैस संयंत्र और सामग्रियों की पुनर्प्राप्ति से जुड़ी सुविधा जैसे पर्यावरण के अनुकूल सकारात्मक उपायों से लैस होते हैं।

जैसे–जैसे हम आगे बढ़ते जा रहे हैं, पर्यावरण से जुड़ा हमारा प्रशासकीय ढांचा उन्नत एआई क्षमताओं, उन्नत सार्वजनिक भागीदारी तंत्र और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों से लैस होकर विकसित होता जा रहा है।

विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा

प्रह्लाद सबनानी

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रांस के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरु आत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षो में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है।

शाब्दिक जोड़ घटाव पर विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक–एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर–तरीके तय करने वाला होता है। भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़ घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया। उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए 'समाजवादीइ, 'धर्मनिरपेक्षइ और 'अखंडताइ शब्द जोड़े थे। उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल–पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवादीइ और 'धर्मनिरपेक्षइ शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है। आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की 'मूल भावनाइ को बहाल करने के बारे में है। यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है।

राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की फिल्म मालिक का टाइटल सॉन्ग राज करेगा मालिक हुआ रिलीज

राजकुमार राव अभिनीत फिल्म मालिक के निर्माताओं ने इसका टाइटल ट्रैक राज करेगा मालिक रिलीज कर दिया गया है। मालिक 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल ट्रैक राज करेगा मालिक रिलीज कर दिया है। इस गाने में राजकुमार का स्वैग और मानुषी का जबरदस्त डांस फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। तो वहीं कुछ यूजर्स मालिक के गाने राज करेगा मालिक को शाहिद कपूर की विवाह के एक गाने से कंपेयर कर रहे हैं। टाइटल ट्रैक बीट्स और वीरता का एक जोशीला मिश्रण है, जिसे गतिशील जोड़ी सचिन–जिगर ने संगीतबद्ध किया है, जिसे अकासा ने आवाज़ दी है और एमसी स्क्वायर ने धमाकेदार रैप दिया है, तथा इसे महान अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है। अपनी धड़कती लय और विद्रोही भावना के साथ, यह गाना प्लेलिस्ट पर छा जाने और फिल्म की उच्च–दांव वाली दुनिया के लिए टोन सेट करने के लिए तैयार है। मालिक, एक आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन डायरेक्टर पुलकित ने किया है। राजकुमार राव फिल्म में लीड रोल में दिखाई देने वाले हैं। इसमें राजकुमार के अपोजिट मानुषी छिल्लर नजर आएंगी। इस एक्शन–थ्रिलर में राजुकमार एक गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से बिल्कुल अलग है।

रणवीर सिंह के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला बड़ा तोहफा, धुरंधर से पहली झलक आई सामने

भारतीय सिनेमा के जाने–माने अभिनेता रणवीर सिंह पिछले काफी समय से फिल्म धुरंधर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी इस फिल्म के निर्देशन की कमान यामी गौतम के पति आदित्य धर को सौंपी गई है, जिन्हें विक्की कौशल की फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक के लिए जाना जाता है। अब रणवीर के 40वें जन्मदिन पर फिल्म धुरंधर से उनकी पहली झलक सामने आ गई है, जो उनके प्रशंसकों के लिए किसी उपहार से कम नही है। धुरंधर के पहले वीडियो में रणवीर का धांसू अवतार दिख रहा है। वह जबरदस्त एक्शन करते दिख रहे हैं। उनके लंबे बाल और दाढ़ी–मूंछ ने लोगों का ध्यान खींच लिया है। इस फिल्म में आर माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। वीडियो में तमाम सितारों की झलक दिख रही है। धुरंधर में माधवन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं रणवीर भारत के पहले एजेंट के किरदार में दिखेंगे। धुरंधर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एजबेस्टन की हार पर एंडरसन की इंग्लैंड को नसीहत, कहा-आपको उसे खिलाना ही होगा

नईदिल्ली, भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच 10 जुलाई से लॉड्र्स में खेला जाएगा. सीरीज अभी एक–एक से बराबरी पर खड़ी है, क्योंकि इंग्लैंड को एजबेस्टन टेस्ट में भारत के हाथों 336 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था, जबकि लीड्स टेस्ट में भारत 5 विकेट से हारा था.दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन ने हर किसी का दिल जीत लिया, क्योंकि टेस्ट इतिहास में पहली बार भारत ने एक मैच में 1014 रन बनाए थे. जिसमें सिर्फ कप्तान शुभमन गिल के अकेले 430 रन शामिल हैं. इसके अलावा दूसरे खिलाड़ियों ने भी शानदार पारियां खेलीं. वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम की गेंदबाजी पर सवाल उठ रहे हैं और तेज

गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किए जाने की अपील कर रहे हैं.इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जेम्स एंडरसन का भी मानना है कि लॉड्र्स में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाना चाहिए. आईसीसी ने एंडरसन के हवाले से कहा, आप उन्हें (आर्चर) सीरीज में बाद में खिला सकते हैं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी. मुझे लगता है कि उन्हें तीसरे टेस्ट में होना चाहिए. उन्होंने काउंटी में ससेक्स के लिए एक मैच खेला है, वह एजबेस्टन में टीम के साथ थे और उन्होंने थोड़ी गेंदबाजी भी की. मुझे लगता है कि आपको उन्हें खिलाना ही होगा, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण मैच है. बता दें पहले टेस्ट के बाद ही जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल कर लिया गया था और उस समय ये उम्मीद जताई जा रही थी कि वो दूसरे मैच में खेलेंगे. लेकिन इंग्लैंड ने दूसरे मैच में भी उसी टीम को खिलाने का फैसला किया जो पहले टेस्ट में खेली थी. ये भी उल्लेखनीय है कि आर्चर ने चार साल से अधिक समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी स्तर पर लाल गेंद से वापसी की है.

अनुष्का शेट्टी की घाटी के लिए करना होगा लंबा इंतजार, रिलीज डेट टली

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी काफी समय से अपनी आगामी फिल्म घाटी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान कृष जगरलामुदी ने संभाली है। यह फिल्म 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अब रिलीज से 5 दिन पहले निर्माताओं ने घाटी की रिलीज टाल दी है। निर्माताओं ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। इस फिल्म के लिए आपको थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। निर्माताओं ने लिखा, सिनेमा एक बहती नदी है... कभी ये आगे बढ़ती है तो कभी गहराई समेटती है। घाटी सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये पहाड़ों की गूंज है, एक हवा, पत्थर और मिट्टी से उकेरी गई एक कहानी। हर दृश्य को सम्मान देने के लिए

हमने इसकी उड़ान को थोड़ा और अपने सीने से लगाए रखने का निर्णय लिया है। हमें यकीन है कि यह इंतजार इस अनुभव को और समृद्ध अविस्मरणीय बना देगा।

फिलहाल निर्माताओं ने घाटी की नई रिलीज तारीख का ऐलान नहीं किया है। निर्माताओं ने विश्वास जताया है कि यह फिल्म अनुष्का के करियर में मील का पत्थर साबित होगी।

बैट नहीं अब हाथ से कमाल दिखाएंगे पवन हलवाने

नईदिल्ली, महाराष्ट्र के जिला अकोला के एक किसान के बेटे पवन हलवाने ने क्रिकेट में लेवल 2 की अंपायरिंग परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल करके अपने गांव और जिले का नाम रोशन किया है. ये परीक्षा जून में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अंतर्गत आयोजित की गई थी. पवन ने इस परीक्षा में 150 में से सर्वाधिक 147.5 अंक हासिल किए. पवन अकोला क्रिकेट क्लब के लिए क्रिकेट भी खेलते हैं. वो अकोला के छोटे से गांव सांगवी खुर्द से आते हैं. जो जिला किसानों की लगातार आत्महत्याओं के लिए जाना जाता है, और प्रकृति की मार के कारण अक्सर किसानों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है. वहीं से अकोला के खिलाड़ी ने बेहद कठिन परिस्थितियों में अंपायर परीक्षा को टॉप करके अपने परिवार को खुशी का मौका दिया है. विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन के पवन हलवाने ने उन 26 उम्मीदवारों की सूची में सबसे आगे हैं.

वियान मुल्डर ने तोड़ा 67 साल पुराना रिकॉर्ड

–डॉन ब्रैडमैन समेत इन दिग्गज क्रिकेटरों को छोड़ा पीछे

नईदिल्ली, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है. केशव महाराज के चोटिल होने के बाद टेस्ट टीम की कमान संभाल रहे 27 वर्षीय वियान मुल्डर ने मैच में नाबाद 367 रनों की पारी खेलकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया.

मुल्डर अब टेस्ट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड हाशिम आमला के नाम था, जिन्होंने 2012 में 311 बनाए थे. इसके अलावा वो एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज भी बन गए हैं. इससे पहले ये कारनामा 2003 में

एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ ग्रीम स्मिथ ने अंजाम दिया था. उन्होंने एक मैच में कुल 362 (277 और 85) रन बनाए थे. इस बीच वियान मुल्डर ने टेस्ट क्रिकेट में विदेशी धरती पर सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान के हनीफ मोहम्मद को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1958 में बारबाडोस में वेस्टइंडीज के खिलाफ 337 रनों की पारी खेली थी. विदेश धरती पर सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर करने के मामले में सर डॉन ब्रैडमैन अब पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं.

एक नजर

गढ़वाल विवि के परिसर में नए रीडिंग रूम बनाने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के छात्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आइसा छात्र संगठन ने कुलपति श्रीप्रकाश सिंह से वार्ता कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गढ़वाल विवि की छात्रा प्रतिनिधि प्रियंका खत्री, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अंकित उछोली, पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष रोबिन असवाल ने कहा कि छात्रों की सुविधा को देखते हुए बिड़ला एवं चौरास परिसर में नए रीडिंग रूम बनवाए जाएं। आइसा ने बिड़ला एवं चौरास परिसर में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरा एवं स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था किए जाने, दोनों कैम्पस में नए छात्रावासों का निर्माण करवाए जाने, कैफेटेरिया एवं स्टेशनरी शॉप खुलवाये जाने की मांग की। इस मौके पर समरवीर रावत, तुषार नेगी, अरुणेश मिश्रा आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

योग शिक्षकों ने कैबिनेट मंत्री का जताया आभार

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय महाविद्यालयों में योग शिक्षकों की नियुक्ति पर योग प्रशिक्षितों ने कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत का आभार व्यक्त किया है। योग संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश भट्ट ने कहा कि योग को स्वास्थ्य एवं शिक्षा में लाने के लिए कैबिनेट मंत्री द्वारा सभी योग प्रशिक्षितों के आह्वान पर वर्ष 2005 से लगातार प्रयास किया जा रहा था। कहा कि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने पहले योग को उत्तराखंड के वैलनेस सेंटरों में स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से प्रारंभ किया और अब 117 राजकीय महाविद्यालय में भी योग को शिक्षा के रूप में शुरू किया जा रहा है। कहा कि योग को स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बढ़ावा दिया जा रहा है। (एजेंसी)

पौधा रोपण कर दिया पर्यावरण को बचाने का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : हरेला महोत्सव के तहत मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में टेका क्षेत्र में पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए। इस दौरान पर्यावरण को सुरक्षित रखने की संदेश भी दिया गया। कहा कि पौधा रोपण के साथ इसके संरक्षण पर भी ध्यान रखने की आवश्यकता है। हम सभी का दायित्व है कि हरा-भरा माहौल बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उसको संरक्षित करें। मंगलवार को आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अकरम अली ने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखंड की समृद्ध पर्यावरणीय संस्कृति का प्रतीक है और इसके माध्यम से समाज में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में मनाया जाने वाला हरेला पर्व प्रकृति, हरियाली और संरक्षण का प्रतीक है, जिसे प्रति वर्ष बड़े उत्साह से मनाया जाता है। कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण बहुत ही जरूरी है। इस मौके पर उप प्रभागीय वनाधिकारी राखी जुयाल, चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसिल कमल प्रसाद बमराडा, असिस्टेंट लीगल एंड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार, रिटेनर अधिवक्ता कुसुम नेगी, वन क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह रावत, वन दरोगा अनिल नेगी, गीता देवी, जगदीश प्रसाद, सुखदेव सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

11 जुलाई से शुरू होगी परीक्षाएं

नई टिहरी : उत्तराखंड मुक्त विवि की स्नातक और स्नातकोत्तर वार्षिक/सेमेस्टर सत्र 2025 की परीक्षा 11 जुलाई से 3 सितंबर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में आयोजित की जाएगी। परीक्षा समन्वयक प्रो. डीपीएस भंडारी ने बताया कि इस परीक्षा केंद्र में विभिन्न विषयों के लिए कुल 1405 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा तृतीय पाली, स्नातक द्वितीय की परीक्षा द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा प्रथम पाली में आयोजित की जाएगी। जबकि स्नातकोत्तर कक्षाओं की परीक्षाएं विश्वविद्यालय समय सारणी के अनुसार की जाएगी। बताया कि परीक्षार्थी अपना प्रवेश पत्र विवि की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। (एजेंसी)

युवा कांग्रेस ने सड़क के गड्डों में की धान की रोपाई

शहर में बदहाल सड़कों की मरम्मत नहीं होने पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में बदहाल सड़कों की मरम्मत नहीं होने पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रोष व्यक्त किया है। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने गड्ढों में धान की रोपाई करते हुए जल्द गड्ढों को भरने की मांग उठाई। कहा कि बरसात के मौसम में गड्ढों की चपेट में आने से वाहन चालक घायल हो रहे हैं। शिकायत के बाद भी जिम्मेदार समस्या को लेकर लापरवाह बने हुए हैं।

कोटद्वार में सड़क के गड्ढों में धान की रोपाई करते युवा कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी

मंगलवार को युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय रावत के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने नजीबाबाद चौक-देवी मंदिर-धनीश फार्म मोटर मार्ग पर हुए गड्ढों में धान की रोपाई की। कहा कि कोटद्वार नगर को भाबर क्षेत्र से जोड़ने वाली इस सड़क पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। इसी सड़क से क्षेत्रीय विधायक व विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण के साथ ही महापौर शैलेंद्र सिंह रावत भी नियमित रूप से आवागमन करते हैं। लेकिन, किसी को भी सड़क पर गढ्ढे नजर नहीं आ रहे हैं। कहा कि इस सड़क पर कई कार्यालय व स्कूल भी है, जिससे हर समय दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। कार्यकर्त्ताओं ने एडीबी के माध्यम से खोदी जा रही सड़कों पर सवाल खड़े किए। कहा कि एडीबी सड़क खोद कर पाइप लाइन तो बिछा रही है। लेकिन, सड़कों की मरम्मत नहीं कर रही है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों का शीघ्र निर्माण करवाए जाने की मांग की है। इस मौके पर अंकुश घिल्डियाल, आशीष भंडारी, मानशेर सिंह, सागर जखमोला, रानू, आमिर अजीम मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर में बीमारियों के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यूनिकस एकेडमी में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लोगों व विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान शिविर में लोगों के साथ ही विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का भी परीक्षण किया गया।

मंगलवार को स्वास्थ्य शिविर में पचास से अधिक लोगों के साथ ही विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने विद्यार्थियों व लोगों को वर्षाकाल में स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी।

कहा कि ऐसे मौसम में खानपान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। खुले में रखे खाद्य पदार्थ का सेवन न करें। विद्यालय के निदेशक अभय रावत व प्रधानाचार्य मान सिंह सुब्बा ने कहा कि एकेडमी में प्रति माह स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर में लोगों को डेंगू के प्रति भी जागरूक किया गया।

भाबर स्थित यूनिक एकेडमी में बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक

सलाह दी गई कि अपने घर के आसपास कहीं भी वर्षा का पानी एकत्रित न होंने दें। साथ ही जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की गई। बुजुर्ग लोगों को शिविर तक पहुंचाने में विद्यार्थियों व स्कूल के स्टाफ ने विशेष सहयोग दिया।

नींद से जागा निगम, पनियाली गदेरे की सफाई का कार्य शुरू

नगर निगम ने जेसीबी मशीन से शुरू की पनियाली गदेरे की सफाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : देर से ही सही लेकिन, नगर निगम को पनियाली गदेरे के सफाई की याद आ ही गई। मंगलवार को नगर निगम ने जेसीबी की मदद से गदेरे में लगे गंदगी के ढेर को साफ करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का कार्य किया। निगम ने गदेरे के मध्य हिस्से को भी गहरा किया। इससे गदेरे का पानी आबादी की ओर आने के बजाय सीधे खोह नदी में जाएगा।

बरसात के मौसम में पनियाली गदेरा आसपास के लोगों के लिए चुनौती बन जाता है। हर वर्ष लोगों को इससे जान-माल का नुकसान होता है। ऐसे में मंगलवार को नगर निगम ने आमपड़ाव-मानपुर के मध्य जेसीबी की मदद से गदेरे में कूड़े के पहाड़ों को हटाते हुए नाले को ढलान देने के साथ ही इसे गहराई देने का कार्य किया।

उम्मीद जताई जा रही है कि गदेरे की सफाई होने के बाद बरसात का पानी सीधे खोह नदी में समा जाएगा। दरअसल, गदेरे में चैनेलाइजेशन व सफाई नहीं होने के कारण पानी आबादी की ओर अपना रूख कर लेता था। हालांकि, कई लोग निगम की देर से की गई कार्रवाई पर रोष भी व्यक्त कर रहे थे।

लोगों का कहना है कि वर्षा काल से पूर्व पनियाली गदेरे की सफाई की जानी चाहिए थी। लेकिन, नगर निगम को वर्षाकाल में गदेरे की सुध आ रही है।

स्वयं सेवियों ने लिया हरित और स्वस्थ भविष्य का संकल्प

आईएचएमएस में वन महोत्सव सप्ताह का समापन समारोह सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज की ओर से वन महोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कॉलेज की एनएसएस विंग के सहयोग से सप्ताह भर चले इस कार्यक्रम का समापन आईएचएमएस सेमिनार हॉल में आयोजित समापन समारोह के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लैंसडौन वन प्रभाग की एस.डी.ओ. सुश्री पूजा पायल उपस्थित रहीं। जिन्होंने वनों के संरक्षण और सतत जीवन शैली की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। पूरे सप्ताह के दौरान एनएसएस टीम ने कई

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते सदस्य

महत्वपूर्ण गतिविधियां आयोजित कीं जिनमें वृक्षारोपण अभियान, जागरूकता रैली, और पर्यावरणीय मुद्दों पर संवाद सत्र शामिल थे। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी, निदेशक अश्वनी शर्मा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण त्रिपाठी ने की। एनएसएस स्वयं सेवकों ने सभी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। कार्यक्रम का समापन एक संकल्प के साथ हुआ कि हम सभी मिलकर एक हरित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में कार्यरत रहेंगे।

पीड़ितों ने दिया धरना, सीएम आवास कूच का निर्णय

कोटद्वार तहसील में धरना देते निवेशक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द अरबन लोनी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिप्ट कोआपरेटिव सोसाइटी के निवेशकों का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी कंपनी में निवेश किया गया उनका पैसा वापस नहीं मिल पाया है। ऐसे में पीड़ितों ने 12 जुलाई को सीएम आवास कूच करने का निर्णय लिया है। कहा कि पीड़ितों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंगलवार को पीड़ितों ने तहसील परिसर में धरना दिया। कहा कि कंपनी ने बड़े-बड़े सपने दिखाकर उनकी रकम को निवेश किया था। लेकिन, अब निवेशकों के साथ धोखा किया गया है। कहा कि जब तक उन्हें डूबी रकम वापस नहीं मिल जाती है, उनका आंदोलन जारी रहेगा। एलयूसीसी से जुड़े सदस्यों ने कहा कि 12 जुलाई को पूरे प्रदेश के पीड़ित देहरादून में जमा होंगे, जहां पर सीएम आवास का घेराव किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री से उनके साथ हुई धोखाधड़ी करने वाले कंपनी के संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर उनकी जमा धनराशि को वापस दिलाने की मांग की जाएगी। इस मौके पर कुलवंत पुंडीर, सुरेश सिंह, वीरेंद्र सिंह, बिजेंद्र सिंह रावत, निर्मला रावत, सुनीता रावत, तृप्ति नेगी, जयपाल सिंह, शशि देवी, दीपा देवी, दीपाली पटवाल, शोभा आदि मौजूद रहे।

लंगूर व बंदरों के आतंक से निजात की मांग

कोटद्वार तहसील में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते लोग

जयन्त् प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में लगातार बंदर व लंगूरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। शिवपुर क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन को ज्ञापन देते हुए बंदर व लंगूरों के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। कहा कि बंदरों के आतंक से बुजुर्ग व बच्चों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

मंगलवार को शिवपुर क्षेत्र के लोग तहसील परिसर में पहुंचे। जहां उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन दिया। शिवपुर निवासी दिनेश जुयाल व लक्ष्मी देवी ने बताया कि शहर में कुछ समय से लंगूर व बंदरों का आतंक बढ़ गया है। वर्तमान में शिवपुर क्षेत्र के डिग्री कालेज रोड व झगड़ सिंह कालोनी में आए दिन बंदर व लंगूरों ने आतंक मचा रहा है। इसी मार्ग से छात्र-छात्राओं को विद्यालयों को आने जाने में खासी परेशानी हो रही है। बंदरों को भगाने पर उल्टा काटने को दौड़ रहे है, बंदर कई लोगों पर हमला भी कर चुके है। लंगूर व बंदर खेतों में उगी साग-सब्जी को चट कर जा रहे हैं। पेड़ पौधों को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे है। वार्डवासियों ने लंगूर व बंदरों से निजात पाने के लिए ठोस इंतजाम किए जाने की मांग की है। इस मौके पर कुसुम रावत, बीना रावत, सुरेश रावत, रंजना, जयंती आदि मौजूद रहे।

गढ़वाल विवि की रोनिका एनएसडी के लिए चयनित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की छात्रा रोनिका राणा का चयन नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में हुआ है। रोनिका राणा मूलतः रतूड़ा, रुद्रप्रयाग जनपद की रहने वाली हैं। रोनिका ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद गढ़वाल विवि के लोक कला संस्कृति केंद्र में प्रवेश लिया। लोक कला एवं निष्पादन केंद्र विभाग के शिक्षक डॉ संजय पांडे ने बताया कि गढ़वाल विवि में अध्यननरत रहते हुए रोनिका ने 2 साल में लगभग 40 नाटकों में प्रतिभाग किया और रंगमंच की बारीकियां सीखी। बताया कि विभाग में हुए नाटकों में किरदारों को रोनिका ने बड़ी मेहनत के साथ अभिनय किया। लोक कलाओं के प्रति रोनिका का रुझान पहले से ही था कड़ी मेहनत के बाद राष्ट्रीय नाटक विद्यालय दिल्ली के लिए तैयारी की और वही सफल भी हुई। डॉ. पांडे ने बताया कि पूरे देश से लगभग 30 लोगों का चयन हुआ है। रोनिका की कामयाबी पर रंगकर्मियों, छात्रों और विभाग के शिक्षकों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। (एजेंसी)

व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को नई पेयजल लाइन से जोड़ा जाएं

चमोली : पर्यटन हब एवं अंतर्राष्ट्रीय स्कींइग केन्द्र औली पिछले लंबे समय से पानी की भारी किल्लत से जूझ रहा है। जनवरी 2023 में जोशीमठ नगर में हुए भूधंसाव के बाद नगर में भवन निर्माण पर प्रशासन ने फिलहाल रोक लगा रखी है, लेकिन औली में रोक न होने के कारण यहां पर लगातार व्यावसायिक निर्माण जारी हैं, लेकिन जल संस्थान द्वारा अभी तक औली के लिए पेयजल आपूर्ति के लिए योजना न बनाए जाने के कारण लोग परेशान हैं। खासकर होटल, दुकान और अन्य पर्यटन व्यवसाय करने वाले और यहां आने वाले पर्यटकों को पानी का संकट झेलना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने एसडीएम जोशीमठ से मुलाकात कर औली से जोशीमठ नगर के लिए निर्माणाधीन पेयजल लाइन से औली के सभी होटल-रेस्टोरेंटों को जोड़ने की अपील की,

गोवंश को निराश्रित छोड़ने वालों पर कार्रवाई शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : गोवंश को निराश्रित छोड़ने वालों पर नगर निगम श्रीनगर ने कार्यवाही शुरू कर दी है। नगर निगम श्रीनगर की नगर आयुक्त नूपुर वर्मा के निर्देशन में वृहद स्तर पर निराश्रित गोवंशों को सार्वजनिक सड़कों पर छोड़ने वाले गोपालकों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में ऐसे गोपालक, जो कि अपने गोवंश को सड़क पर छोड़ देते हैं, उन पर चालानी कार्यवाही के साथ-साथ कानूनी कार्यवाही किये जाने का निर्णय लिया गया है। सहायक नगर आयुक्त रविराज सिंह बंगारी ने बताया कि प्रथम चरण में पशुपालन विभाग के सहयोग से 5 लोगों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर नोटिस जारी किया गया है। बताया कि गोवंशों के गले में टैगों के माध्यम से डाटा प्राप्त कर सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही जारी रहेगी। बंगारी ने बताया कि भविष्य में कोई भी गोपालक अपने गौवंशों को सड़क पर निराश्रित छोड़ता है तो उसके विरुद्ध भारी जुर्माना के साथ-साथ कठोर से कठोर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा मुरादाबाद मंडल के विभिन्न डी एंड ई केटेगरी के रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग स्टाल (जनरल माइनर यूनिट्स) के आवंटन हेतु **ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in** पर दिनांक **29.07.2025, 30.07.2025 & 31.07.2025** को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

2043/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा (गढ़वाल)

E-mail Id:-eepwddugadda@rediffmail.com, eepwdcddugadda@gmail.com

पत्रांकः- 2351/ 18AC दिनांकः- 08/07/25

कोटेशन नोटिस

समस्त कन्सल्टेन्ट को सूचित किया जाता है कि निम्न कार्य हेतु सील्ड कोटेशन अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 09/07/2025 से 16/07/2025 तक समय 3:00 बजे अपराह्न तक लिये जायेंगे। आमंत्रित कोटेशन दिनांक 17/07/2025 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में समय 03:30 बजे अपराह्न में खोली जायेगी।

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा कोटेशन निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। समय अवधि उपरान्त प्राप्त कोटेशन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र0 क्र0	कार्य का नाम	Unit	Qty	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)
I	Updation of DPR online with ADB Guidelines for Environment, Social, Gender & Poverty Assessment, Economic Analysis & Climate Change Assessment in Late Shri Jagmohan Singh Negi (SH-9) motor road Km 8 (span 12m), 10 (span 18m), 12 (span 12m), 16 (span 18m), 18 (span 12m), 19 (span 24m), 22 (span 20m), 61 (span 24m), 92 (span 21m), 98 (span 15m), 107 (span 21m), 141 (span 24m), 141 (span 20m), 176 (span 54m).	Ls	1	–	
1	Involuntary Resentiemen (Reseulement Plan) (a)Screening and categorization to (i) reflect the significance of potential impact or risks that a project might person, (ii) identify the level of assessment and institutional resources required for the safeguard measures, and (iii) determine disclosure requirements (b)Site visit, Census and Socio-Economic Survey, Consultations and REA, IR & IP checklists, District wise preparation of Reseulement Plan, Reseulement Plans for subprojects/ sites where private land acquisition or impact on private structures is envisaged.				
2	Environment Impact Assessment Rapid Environment Assessment (REA) for all subprojects/sites Involuntary Reseulement Checklist (IR) for all subprojects/sites Indigenous People Planning Checklist (IPP) for all subprojects/sites				
3	One Initial Environment Examination/EIA and Enviroment Management Plan for all subprojects/sites				
4	Poverty and Social Assessment Report (One report for All Bridges)				
5	Gender Action Plan (GAP) (One report for All Bridges)				
6	Climate Change (One report for All Bridge)				
7	Economic Analysis (One report for All Bridges)				

(इं0 निर्भय सिंह)

संक्षिप्त समाचार

38 ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत सदस्य के लिए नहीं हुआ नामांकन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पंचायत चुनाव में पौड़ी ब्लाक के बैंग्वाड़ी, बलोड़ी और तमलाग ग्राम पंचायत में प्रधान पद के लिए एक-एक ही प्रत्याशियों ने नामांकन करवाया है। वहीं, क्षेत्र पंचायत भिताई मल्ली और केसुंदर में भी एक-एक ही प्रत्याशियों ने ही प्रधान पद के लिए नामांकन कराया है। इन सीटों पर एक ही प्रत्याशी मैदान में होने से निर्विरोध चयन होना तय है। वहीं, पौड़ी ब्लॉक की लगभग 38 ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत सदस्य के लिए किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं कराया है।

पौड़ी ब्लॉक के आरओ और जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित दुबड़िया ने बताया कि पौड़ी ब्लॉक की तमलाग ग्राम पंचायत में पूजा देवी, बैंग्वाड़ी ग्राम पंचायत में मानवेंद्र सिंह और बलोड़ी ग्राम पंचायत में पूजा देवी ने ही प्रधान पद के लिए नामांकन करवाया है। क्षेत्र पंचायत भिताई मल्ली में अनीता देवी और केसुंदर में ममता देवी ने ही प्रधान पद के लिए नामांकन किया है। वहीं, ग्राम पंचायत सदस्य के लिए कई सीटों पर किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं कराया है। पौड़ी ब्लॉक की भिताई मल्ली, बिचली रेवड़ी, बिचली ढांडरी, थली, भेटा, कफलना, बाडा, सिंडी, वजली, जयराज, उरेगी, डुंगरी, कमेड़ा, भिमली मल्ली, कांडई मल्ली, द्वारखिल, रेदुल, कांडई तल्ली, मासौं, रछूली, उज्याड़ी, ननकोट, गगवाड़ा, कड़ाकोट, बुडोली, बौंसरी, बलोडी, ल्वाली, गुंमाई, डांग, पुंडोरी, कोठार, क्यार्क, गिरगांव, कंडी, सिरोली, बूढ़ाकोट, डोभा में किसी भी प्रत्याशी ने ग्राम पंचायत सदस्य के लिए नामांकन नहीं किया है।

पालिका ने प्रशासन से की डंपिंग जोन की मांग

नई टिहरी। नगर पालिका नई टिहरी को भी कई तरह की समस्याओं से जुझना पड़ रहा है। जिसे लेकर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने मानसून सीजन में बारिश को देखते हुए तत्काल जिला प्रशासन से पालिका के लिए डंपिंग जोन चिन्हित करने की मांग की है। पालिकाध्यक्ष का कहना है सरकारी निर्माणों का मलबा तो खूब यहां–वहां डंप हो रहा है, लेकिन नगर पालिका को सफाई दौरान एकत्र किये मलबे को डंप नहीं करने दिया जा रहा है। पालिकाध्यक्ष ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि कि नगर क्षेत्र में निर्माण कार्यों का मलबा सड़क, नालियों और मोहल्लों में पड़ा रहता है। भवन निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों का मलबा भी निर्माण विभाग शहर के विभिन्न हिस्सों में निस्तारित कर देते हैं। जिस कारण यह मलबा सड़कों पर बहने के साथ ही नालियों को चोक कर देता है। नतीजा सारा पानी सड़कों पर बहने लगता है। जिससे दुर्घटनाओं का होने का अंदेशा बना रहता है। अब जबकि बरसात का सीजन शुरू हो गया है।

अतिथि शिक्षकों ने डीएम से की चुनावी ड्यूटी न लगाने की मांग

नई टिहरी। जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों ने डीएम टिहरी नितिका खंडेलवाल को पत्र लिखकर पंचायत चुनाव में ड्यूटी न लगाने की मांग की है। इस बाबत सौंपे पत्र में डीमए को अतिथि शिक्षकों ने समस्याओं से भी अवगत कराया है। डीएम टिहरी को लिखे पत्र में जनपद के माध्यमिक अतिथि शिक्षक एसोसियेशन ने मांग की है कि अतिथि शिक्षकों को चुनावी ड्यूटी से मुक्त रखा जाय।

ग्राम पंचायत डांगी के ग्रामीणों ने किया पंचायत चुनाव बहिष्कार का ऐलान

ग्रामीणों ने पंचायत चुनाव बहिष्कार को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जनपद के कल्जीखाल ब्लॉक स्थित ग्राम पंचायत डांगी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प्रधान पद ओबीसी महिला आरक्षित होने पर चुनाव बहिष्कार को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को जिलाधिकारी स्वाति भदौरिया को ज्ञापन सौंपा।

निवर्तमान प्रधान भगवान सिंह चौहान के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी को मिला। उन्होंने बताया कि इस बार ग्राम प्रधान की सीट को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) महिला के लिए आरक्षित किया गया है, लेकिन ग्राम पंचायत डांगी में ओबीसी वर्ग का कोई भी प्रमाणित व्यक्ति ही नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2015 से अब तक ग्राम पंचायत डांगी में ओबीसी प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किए गए हैं। ऐसे में ग्राम प्रधान पद को ओबीसी महिला के लिए आरक्षित किया जाना पूरी तरह से अनुचित और नियमों के विरुद्ध है। समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में कई बार संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रमाण पत्र न बनने के कारण न तो कोई पात्र उम्मीदवार सामने आ सका। ऐसे में ग्राम प्रधान पद के लिए एक भी नामांकन दाखिल नहीं हो पाया है। इससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने इस स्थिति से नाराज होकर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान के बहिष्कार का ऐलान भी कर दिया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत डांगी में ओबीसी आरक्षित महिला रिक्त पदों के कारण विगत चार वर्षों से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका का पद रिक्त है। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा उठाए गए मुद्दे को लेकर शासन को मार्गदर्शन हेतु पत्र भेजा जाएगा, जैसे ही शासन से निर्देश प्राप्त होंगे, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अतिथि शिक्षकों ने चुनावी ड्यूटी न लगाने की मांग

नई टिहरी : जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों ने डीएम टिहरी नितिका खंडेलवाल को पत्र लिखकर पंचायत चुनाव में ड्यूटी न लगाने की मांग की है। इस बाबत सौंपे पत्र में डीमए को अतिथि शिक्षकों ने समस्याओं से भी अवगत कराया है। डीएम टिहरी को लिखे पत्र में जनपद के माध्यमिक अतिथि शिक्षक एसोसिएशन ने मांग की है कि अतिथि शिक्षकों को चुनावी ड्यूटी से मुक्त रखा जाय। समस्यायें अवगत कराते हुए बताया कि माध्यमिक विद्यालयों में अतिथि शिक्षक अल्प मानदेय पर कार्यरत हैं। इस पर उन्हें न तो शीतकालीन व नहीं ग्रीष्म कालीन अवकाश के दौरान मानदेय दिया जाता है। जिससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। जिससे अतिरिक्त ड्यूटी का आर्थिक भार नहीं उठा सकते हैं। राजकीय कर्मचारी न होने के चलते उन्हें सामुहिक बीमा की भी सुविधा नहीं है। जिससे चुनावी ड्यूटी में होने वाले जोखिम को उठाने में भी सक्षम नहीं हैं। पंचायत चुनाव में अतिथि शिक्षकों के रिश्ते–नातेदार भी बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर रहे हैं। ऐसे में अतिथि शिक्षकों की ड्यूटी का औचित्य भी नहीं है। अतिथि शिक्षक विद्यालयों में प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक के पदों पर कार्यरत है। जबकि ड्यूटी चतुर्थ श्रेणी में दी गई है। जो अतिथि शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता व पद की गरिमा के विपरीत है।

सेक्टर और जोनल अधिकारी समस्याओं की सूची जल्द दें : डीएम

डीएम ने ली पंचायत चुनाव को लेकर अफसरों की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण करवाने को लेकर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जिला सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने अफसरों को चुनाव की तैयारियां 15 जुलाई तक पूरी करने को कहा है। उन्होंने सभी सेक्टर एवं जोनल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं की सूची जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएम ने स्वास्थ्य विभाग को पोलिंग पार्टियों के लिए मेडिकल किट जल्द तैयार करने, ब्लॉक स्तर पर पर्याप्त दवाइयों, एंबुलेंस, वृद्ध, असहाय मतदाताओं के लिए डंडी-कंडी की व्यवस्था रखने को कहा। मंगलवार को आयोजित बैठक में डीएम ने मानसून सीजन को देखते हुए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। कहा कि जहां भी भूस्खलन संभावित स्थल हैं या डेंजर जोन हैं, वहां लोनिवि और पीएमजीएसवाई विभाग अभी से इंतजाम जुटाएं। पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले और लौटने तक सड़क मार्ग बाधित नहीं होना चाहिए। डीएम ने 1191 मतदान केंद्रों के अतिरिक्त जोनल मजिस्ट्रेटों को अतिरिक्त मतपेटिकाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। पोलिंग पार्टियों के लिए 241 बसों व 542 टैक्सी-मैक्सी वाहनों की तैनाती की जाएगी। बैठक में सीडीओ गिरीश गुणवंत, एडीएम अनिल सिंह गर्ब्याल, एसडीएम दीपक रामचंद्र शेट, पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, डीडीओ मनविंदर कौर आदि मौजूद रहे।

हर दो माह में बोर्ड बैठक आयोजित करने की मांग

पार्षदों ने मेयर को सौंपा ज्ञापन

अल्मोड़ा। नगर निगम अल्मोड़ा के पार्षदों ने मंगलवार को मेयर को ज्ञापन सौंपकर निगम की सामान्य बोर्ड बैठकों को हर दो माह में नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग की है। पार्षदों ने कहा है कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959, जो वर्तमान में उत्तराखंड राज्य में भी लागू है, के अनुसार प्रत्येक दो माह में एक बार सामान्य बोर्ड बैठक का आयोजन अनिवार्य है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यह व्यवस्था नगर क्षेत्र की सुचारु व्यवस्था, कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने और पार्षदों को अपने–अपने वार्ड की समस्याएं निगम के समक्ष रखने का अवसर देने के लिए की गई है। पार्षदों ने बताया कि बीते कुछ समय से निर्धारित अवधि में बैठकें नहीं हो पा रही हैं, जिससे न केवल पार्षदों को जनसमस्याएं उठाने का अवसर नहीं मिल रहा, बल्कि नगर निगम की निर्णय प्रक्रिया और पारदर्शिता भी प्रभावित हो रही है। इसलिए सभी पार्षदों ने मेयर से अनुरोध किया कि अधिनियम के अनुसार प्रत्येक दो माह में बोर्ड की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाए, ताकि निगम की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी व जनहितकारी बन सके। ज्ञापन पर पार्षद वैभव पांडे, मधु बिष्ट, चंचल दुर्गा पाल, दीपक कुमार, नवीन चंद्र आर्य, जानकी पांडे, हेम तिवारी, प्रदीप चंद्र आर्य और शाहिद सहित अन्य पार्षदों के हस्ताक्षर हैं।

रिवर्स पलायन के प्रेरणादायक उदाहरण बनें गुंज्याल और नेगी : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.) बिमला गुंज्याल के सीमांत जनपद पिथौरागढ़ की गुंजी ग्राम पंचायत और पूर्व कर्नल यशपाल सिंह नेगी के जनपद पौड़ी की बिरगण ग्राम पंचायत के निर्विरोध ग्राम प्रधान निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई दी है।

मुख्यमंत्री ने इसे रिवर्स पलायन का एक प्रेरणादायक और सुखद उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों का ग्राम प्रधान चुना जाना पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती देगा और उनके अनुभव से ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गुंजी और बिरगण ग्राम पंचायतें मॉडल ग्राम के रूप में उभरेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के उदाहरण दर्शाते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी व्यक्ति अपने अनुभव और सेवा भावना से गांव की प्रगति में अहम भूमिका निभा सकता है। राज्य सरकार ऐसे सभी प्रयासों को पूर्ण सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

अतिवृष्टि से धुर्मा गांव में भारी नुकसान, ग्रामीणों ने भागकर बचाई जान

प्रभावित ग्रामीणों को स्कूल, पीएचसी और पंचायत घर में किया शिफ्ट

चमोली : चमोली जिले के नंदानगर प्रखंड के धुर्मा गांव के ऊपर अतिवृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। मंगलवार तड़के हुई इस घटना में ग्रामीणों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। वहीं, अतिवृष्टि से धुर्मा गांव और मोख मल्ला के बगड़ तोक के करीब 16 परिवारों के आवासीय मकानों के ऊपर मलबा आ गया है। साथ ही ग्रामीणों की सैकड़ों नाली कृषि भूमि बर्बाद हो गई है। वहीं, मोक्ष नदी भी उफान पर है, जिससे नदी के तटबंध टूट गए हैं। वहीं, प्रभावित ग्रामीणों को जिला प्रशासन ने क्षेत्र के सरकारी स्कूल, पीएचसी और पंचायत घर में शिफ्ट कराया गया है। मंगलवार तड़के करीब 4.30 बजे पर धुर्मा गांव के ऊपर

अतिवृष्टि से भारी भूस्खलन हुआ। इसकी जद में आए मोख मल्ला के बगड़ तोक के आवासीय मकान भी आए। घरों में सो रहे ग्रामीणों ने भनक लगते ही किसी तरह जान बचाई। कुछ लोग घरों में ही दुबक गए। कुछ देर बाद उजाला हुआ तो ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अतिवृष्टि की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी डॉ. संदीप तिवारी के निर्देश पर नायब तहसीलदार राकेश देवली के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम प्रभावित इलाकों में पहुंची और अतिवृष्टि से हुए नुकसान का जायजा लिया। मोख मल्ला बगड़ में आपदा प्रभावितों से नायब तहसीलदार ने जानकारी ली। मोख मल्ला के बगड़ तोक और अन्य प्रभावित परिवार के लोगों को मोख इंटर कॉलेज, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और पंचायत भवन में शिफ्ट किया गया है। नायब तहसील राकेश देवली ने बताया अतिवृष्टि और भूस्खलन से मोख मल्ला बगड़ तोक के 11 और धुर्मा के पांच परिवार अतिवृष्टि और भूस्खलन की जद में आए हैं। प्रभावित परिवारों को इंटर कॉलेज, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और पंचायत घर में शिफ्ट किया गया है। सेरा गांव का घराट बहा, मकानों को खतरा वहीं, अतिवृष्टि से नन्दानगर के सेरा गांव को भी भारी खतरा उत्पन्न हो गया है। मोक्ष नदी के तटबंध टूट जाने से सेरा गांव में भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय निवासी महिपाल सिंह ने बताया घटना में उनका घराट बह गया। आवासीय भवन के पास कटाव हो गया है। अवतार सिंह के आवास को भी नुकसान हुआ है। प्रभावित गांवों की कई नाली कृषि भूमि बह गई है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

चमोली : उपजिला निर्वाचन अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में मंगलवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में तैनात पीठासीन अधिकारी और सेक्टर मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और राजकीय इण्टर कॉलेज गोपेश्वर में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान 960 पीठासीन अधिकारियों व 89 सेक्टर मजिस्ट्रेट को प्रशिक्षण दिया गया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और राजकीय इण्टर कॉलेज गोपेश्वर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी ने सभी पीठासीन अधिकारियों और सेक्टर मजिस्ट्रेट को प्रशिक्षण के दौरान सभी शंकाओं का निराकरण करने की बात कही। ताकि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके।

इस दौरान प्रशिक्षकों की ओर से मतदान प्रक्रिया का सैद्धान्तिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को मतपेटियों को खोलने बंद करने और मतदान की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर परियोजना अधिकारी आनंद सिंह भाकुनी, प्रशिक्षक आत्म प्रकाश डिमरी, मनोज तिवारी, जयदीप झिंक्वाण, केसी पंत, खीम सिंह, दिगपाल रावत, चंदन पंवार, जेएस रावत आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

छात्रा के सेना में चयन होने पर जताई खुशी

नई टिहरी। उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार के वानिकी परिसर रानीचौरी की पूर्व छात्रा कोमल तिवारी का भारतीय सेना में सब लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है। छात्रा की इस उपलब्धि पर परिसर प्रबंधन खुशी व्यक्त की। टिहरी जिले के ढालवाला निवासी राकेश तिवारी की पुत्री कोमल तिवारी ने वर्ष 2023 में वानिकी महाविद्यालय से बीएससी (ऑनर्स) उत्तीर्ण की थी। पढ़ाई के दौरान वे एक मेधावी,अनुशासित एवं प्रेरणादायक छात्रा रही हैं। कठिन परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास से उन्होंने अब भारतीय सेना में सब लेफ्टिनेंट के पद पर चयन हुआ है। छात्र के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.परविंदर कौशल ने कोमल की इस उपलब्धि को नारी सशक्तिकरण और युवा प्रेरणा का प्रतीक बताकर शुभकामनाएं दी है।

कबाड़ बीनने वाले की हत्या के आरोप में एक नामजद

रुद्रपुर। नगर में मिले शव की शिनाख्त टनकपुर निवासी बंटी उर्फ विक्की के रूप में हुई। वह कबाड़ बीनने का काम करता था। इस मामले में पुलिस ने एक युवक पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मृतक युवक के साथी ने उधार के रुपये न देने पर हत्या करने का आरोप लगाया है। मीना बाजार बनबसा (चम्पावत) रंजीत वर्मा पुत्र जगदीश वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में वह खटीमा में ही रहकर कूड़ा बीनने का कार्य करता है। उसके साथ टनकपुर निवासी बंटी उर्फ विक्की व नेपाल निवासी विक्की नेपाली भी कूड़ा बीनते हैं। 6 जुलाई की रात्रि वह अपने साथियों बंटी उर्फ विक्की व विक्की नेपाली के साथ पंजाबी मोहल्ला में बहुरानी ज्वेलर्स दुकान के सामने शराब पीकर दुकान के आगे लेटे थे। इसी बीच पंजाबी मोहल्ला निवासी इस्माईल पुत्र बाबू पेंटर आया और तीनों की पिटाई की। उधार के 500 रुपये मांगने लगा। बंटी उर्फ विक्की ने कुछ दिन पहले शराब पीने के लिए इस्माइल से 500 रुपये 50 रुपये रोज के ब्याज पर उधार लिए थे। कूड़ा बीन कर बेचकर इस्माइल का उधार चुका देते थे, लेकिन इस बार बंटी उधार नहीं चुका पाया था। वह तीनों शराब के नशे में सो रहे थे।

आरोपी इस्माइल ने उसे खूब पीटा। उन्होंने कहा कि तीनों मिलकर पैसे वापस कर देंगे फिर भी उसे पीटता रहा। उसे उठाकर पटक दिया। इसके बाद उन्होंने उसे उठाकर टनकपुर रोड स्थित जगदम्बा होटल के पास एक दुकान के बाहर लेटा दिया। बंटी के नाक, मुंह से खून आ रहा था। उन्हें लगा नशा उतरने पर वह उठ जाएगा। जब उन्हें जानकारी मिली है कि बंटी की मृत्यु हो गई है।

बेरगणी,छाम,शुक्री में निर्विरोध चुने गए ग्राम प्रधान

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेरगणी में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से अनुभवी युद्धवीर रावत को निर्विरोध ग्राम प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके खिलाफ गांव के किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं कराया। इसके साथ ही गांव में सभी वार्ड सभासद भी निर्विरोध चुने गए। जिससे ग्राम पंचायत का कोरम पूरा हो गया है। निर्विरोध ग्राम प्रधान बनने वाले रावत ने कहा कि गांव का सर्वांगीण विकास, स्वरोजगार के साधन बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा अनीता रावत, रेखा रावत, विनीता देवी, मीरा देवी,कविता देवी, रघुवीर सिंह और सीमा देवी को निर्विरोध वार्ड सभासद बनाया गया। देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के तहत ग्राम सभा छाम ने एकता व परिपक्वता का परिचय देते हुए देवांश रतूड़ी को निर्विरोध प्रधान बनाने पर सहमति जताई है। ग्रामीणों के इस निर्णय पर देवांश रतूड़ी ने कहा कि गांव के विकास के लिए जो जिम्मेदारी ग्रामीणों ने दी है, उसे पूरी तत्परता से पूरी करेंगे। गांव का विकास भी सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ेगा। ग्रामीणों ने भी देवांश पर भरोसा जताते हुए कहा कि गांव के विकास के साथ ही युवाओं को मौका देना विकास की नींव रखने का काम किया गया है।

इस पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत शुक्री ने मिसाल पेश की। प्रधान ममता देवी कुड़ियाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य लोकेंद्र दत्त सेमवाल और उप प्रधान सुनीता देवी कुकरेती को निर्विरोध चुना गया है। जिसके लिए ग्रामीणों को निर्वाचितों ने आभार जताया है।

सिडकुल एसोसिएशन के पुनः अध्यक्ष बने श्रीकृष्ण सत्यवली

रुद्रपुर। सितारगंज के सिडकुल इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन के चुनाव में श्रीकृष्ण सत्यवली को सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष चुना गया। दुर्गश मोहन सचिव व केके धिमान कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। विनय डबराल व भारत सहगल को कोषाध्यक्ष चुना गया। सोमवार की सायं सिडकुल क्षेत्र के होटल में सितारगंज सिडकुल इण्डस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक हुई। बैठक में एसोसिएशन खर्च का ब्योरा रखा गया।

इस दौरान आगामी समय में उद्योगों के समक्ष समस्याओं पर विचार विमर्श कर निराकरण के लिए मजबूती से प्रयास करने पर सहमति जताई। सिडकुल को रेलवे लाइन से जोड़ने समेत विभिन्न समस्याओं को लेकर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, सीएम पुष्कर सिंह धामी से वार्ता करने पर जोर दिया। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री के रुद्रपुर दौरे में भी उद्यमियों की समस्याओं पर चर्चा करने व मांग पत्र देने का निर्णय लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने एसोसिएशन के प्रयासों पर संतोष जताया। इस दौरान कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया।

भू उपयोग उल्लंघन के मामलों में तेजी से कार्यवाही गतिमान

देहरादून(। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश में भू अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्रदान की गई भूमि क्रय की अनुमति के सापेक्ष भू उपयोग उल्लंघन के मामलों में तेजी से कार्यवाही गतिमान है। राज्य में उत्तराखंड भूमि अधिनियम की धारा 154 (4) (3) क के अंतर्गत कुल 532 प्रकरणों पर भूमि क्रय की अनुमति प्रदान की गयी है जिसके सापेक्ष भू उपयोग उल्लंघन के 88 मामले सामने आए हैं ऐसे उल्लंघन के 42 प्रकरणों पर धारा 166–167 के तहत वाद दायर किए गये हैं। जबकि अधिनियम की धारा 154 (4) (3) ख के तहत दी गई 963 भूमि क्रय की अनुमति के सापेक्ष 172 प्रकरणों में भू उपयोग का उल्लंघन किया जाना पाया गया है। जिसके विरूद्ध 112 मामलों में वाद दायर किए गये हैं। जबकि अधिनियम की धारा 154 (4) (1) क के अंतर्गत प्रदेश में भूमि क्रय के सापेक्ष भू उपयोग उल्लंघन के कुल 147 प्रकरणों पर कार्यवाही गतिमान है। जिसमें देहरादून के 77 में से 50 प्रकरणों पर, हरिद्वार में 20, पौड़ी में 17, टिहरी में 29 तथा उत्तरकाशी में 1 मामले में कार्यवाही गतिमान है। जबकि अल्मोड़ा के तीन मामलों में एक प्रकरण की भूमि राज्य सरकार में निहित की गई है।प्रदेश में भूमि क्रय की अनुमति के सापेक्ष भू उपयोग के उल्लंघन की दिशा में कुल 3.006 है0 भूमि की गई राज्य सरकार में निहित प्रदेश में भूमि क्रय की अनुमति के सापेक्ष भू उपयोग के उल्लंघन की दिशा में कुल 3.006 है0 भूमि राज्य सरकार में निहित की गई है। जिसमें कपकोट, बागेश्वर में मै0 त्रिलोक ग्रामोद्योग सेवा समिति को मौन पालन हेतु क्रय की गई 0.040 है0, रुद्रपुर, उधमसिंहनगर में एम0एस0 स्टैण्डर्ड स्प्लिन्ट्स लि0 द्वारा डी0 सेवत्था पांडे पुत्र दूरई राजन को 1.6530 है0, सिलटोना कैंची धाम, नैनीताल में भावनी सिंह पत्नी कुवर रघुराज प्रताप सिंह, सिंह निवास 5, बद्रीहाउस शाहजनफरोड़, लखनऊ को कृषि हेतु 0.555 है0, दिगोटी द्वाराहाट, अल्मोड़ा में कृषि हेतु 0.020 है0, कटारमल चौखुटिया, अल्मोड़ा में रैनाबाड़ी हैल्थ रिजार्ट को रिसोर्टस हेतु 0.713 है0, कोट्यूड़ा, अल्मोड़ा में प्रणव सिंह पुत्र महेन्द्र प्रताप सिंह, निवासी–प0 बंगाल को आवासीय प्रयोजन हेतु 0.025 है0 भूमि शामिल है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से, उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए सिंगल पैकेट प्रणाली के तहत खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं :

1.	कार्य का नाम व स्थान	उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कार्य क्षेत्र में मुरादाबाद और शाहजहाँपुर के बीच में उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, मुरादाबाद के कार्यालय, अधीनस्थ कार्यालय, अधिकारियों के विश्राम गृह और कर्मचारी आवासों की मरम्मत/रखरखाव हेतु विविध प्रकार के सिविल कार्य के सम्बन्ध में
2.	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3.	कार्य की अनुमानित लागत	रू 81.64 लाख
4.	जमा की जाने वाली जमानत राशि	रूपये 1,63,300.00
5.	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की बृहत जानकारी	ई निविदा प्रपत्र की बृहत सूचना उत्तर रेलवे कि वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपर्युक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएम की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर दिनांक 08.07.2025 से दिनांक 30.07.2025 को 11:30 बजे तक उपलब्ध रहेगी। उपर्युक्त टेण्डर के सम्बन्ध में अन्य सभी नियम व शर्ते टेण्डर डॉक्यूमेंट में दी गई हैं। निविदा सूचना कि बृहत जानकारी कार्यालय में निविदा सूचना बोर्ड से की जा सकती है।
6.	अन्तिम तिथि/ई–निविदा अपलोड करने की तिथि	30.07.2025 को 11:30 बजे तक। ई–निविदा दिनांक 16.07.2025 से 30.07.2025 को 11:30 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।
7.	निविदा खुलने की तिथि और समय	30.07.2025 को 11:30 बजे तक ई–टेण्डर अपलोडिंग बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जाएगी।

निविदा सूचना सं० – 1–डब्लू– टेण्डर–290–उप मु०अभि० नि० मुरादाबाद दिनांक– 08.07.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2051/25

पंचायत चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने की तैयारियों की समीक्षा

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारर्शिता के साथ संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) सविन बंसल ने मंगलवार को विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारियों एवं सहायक प्रभारियों की बैठक लेते हुए अब तक किए गए कार्योंकी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्वाचन की सभी तैयारियों को त्रुटिरहित समयबद्धता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का भंली भांति अनुश्रवण किया जाए। निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। बरसात को देखते हुए सड़क निर्माणदायी एजेंसियों को सभी संवेदनशील स्थलों में पर्याप्त संख्या में

मैनपावर और मशीनरी की तैनाती करने, वैकल्पिक एवं पैदल मार्गो को सुचारू रखने और मतदान दिवस के लिए विशेष कंटीजेंसी प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी पोलिंग बूथों पर मूलभूत सुविधा यथा बिजली, पानी, शौचालय, फर्नीचर आदि व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी एसडीएम एक बार पुनः इसका निरीक्षण करें। पोलिंग बूथों पर जो कार्य शेष है उनको जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। सभी एसडीएम व सीओ पुलिस मिलकर संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदेय स्थलों का अपने स्तर पर समीक्षा कर लें। कम्यूनिकेशन प्लान के साथ ही पोलिंग पार्टियों की रवानगी, वापसी, स्ट्रांग रूम और मतगणना के लिए टेबल निर्धारण संबंधी पूरा प्लान तैयार किया जाए और निर्वाचन से जुड़े कार्योंको समयबद्वता के साथ त्रुटिहित पूरा करें। रूट चार्ट के अनुसार हेल्थ प्लान एवं पोलिंग पार्टियों के लिए हेल्थ किट तैयार की जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि कंट्रोल रूम से निर्वाचन सूचनाओं का नियमित संकलन एवं समय पर प्रेषण करने के निर्देश दिए।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com